भारत पर ब्रिटिश शासन का आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभाव 1757-1857

पा.सं.	अध्याय शीर्षक	कौशल	क्रियाकलाप
5	भारत पर ब्रिटिश शासन का आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभाव 1757-1857	व्यक्तिगत संबंध कौशल, परानुभूति, समालोचनात्मक सोच	स्वतंत्रता आन्दोलन से जुड़े स्मारकों जैसे लखनऊ रेजीडेन्सी इत्यादि के भ्रमण, मंगल पांडे जैसी फिल्मों को देखना तथा झांसी की रानी जैसी कविताओं का पाठ

अर्थ

ब्रिटिश शासन का भारतीय समाज, अर्थ व्यवस्था तथा सांस्कृतिक जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा। इससे राष्ट्रवाद और राष्ट्रीयता की भावना का भी उदय हुआ जिससे राष्ट्रीय जागरूकता तथा ब्रिटिश लोगों के विरूद्ध विद्रोह की भावना पैदा हुई।

भारत में उपनिवेशीकरण के तरीके

- 1600 में इंगलैंड भारत के साथ व्यापार को नियन्त्रित करने में सफल हुआ तथा उसने ईस्ट इंडिया कंपनी स्थापित की।
- 1613 में उसने सूरत में पहली फैक्टरी स्थापित की।
- प्लासी के युद्ध (1757) तथा बक्सर के युद्ध ने ब्रिटिश के लिए भारत पर विजय के द्वार खोल दिए।

आंग्ल-मैसूर युद्धः टीपू सुलतान की वीरतापूर्ण हार तथा मृत्यु के साथ यह युद्ध समाप्त हुआ। कनारा, कोयम्बटूर तथा श्रीरंगपटनम जैसे बड़े बंदरगाह अंग्रेज़ों द्वारा अपने अधिकार में ले लिए गए। (1799 में)

आंग्ल-मराठा युद्धः अंग्रेज़ों ने पेश्वा को हराया, उसको गद्दी से हटाया तथा उसके सभी क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया।

आंग्ल-सिख युद्धः पंजाब पर लार्ड डलहौजी द्वारा कब्जा कर लिया गया। महाराजा रणजीत सिंह के पुत्र महाराजा दलीप सिंह को पेंशन दे कर इंगलैंड भेज दिया गया

जल्द ही और बहुत सी देसी रियासतों को संधि नीतियों, विलय की नीति और सहायक संधि द्वारा ब्रिटिश नियंत्रण में ले लिया गया।

आर्थिक प्रभाव

- अंग्रेज व्यापारी वस्तुओं को सस्ते दामों पर बेचने में सफल हुए क्योंकि विदेशी वस्तुओं को भारत में बिना कर चुकाए आने दिया गया।
- भारतीय हथकरघा वस्तुओं पर निर्यात हेतु अत्याधिक कर लगाए गए।
- इससे भारतीय हथकरघा उद्योग पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ा तथा इसका पतन हो गया।

भूमि राजस्व नीति का प्रभाव

स्थायी बन्दोबस्त, महलबारी बंदोबस्त तथा रैयातबारी बंदोबस्त जैसी भूमि राजस्व नीतियों ने भूमि जोतदारों के लिए कठिन परिस्थितियां पैदा की।

कृषि का व्यवसायीकरण होने से चाय, काफी, नील, अफीम, कपास, जूट, गन्ना तथा तिलहन जैसी फसलों के उगाने से अनाज का उत्पादन गिर गया।

नए मध्य वर्ग का उदय

- ब्रिटिश राज के दौरान भारतीय समाज में नयी कानूनी अदालतों, सरकारी अधिकारियों तथा वाणिज्यिक एजेंसियों की शुरूआत हुई।
- अंग्रेज़ों ने भूस्वामियों के अतिरिक्त एक नए पेशेवर और सेवा करने वाले मध्यम वर्ग को भी बनाया।

परिवहन और संचार

- 19वीं सदी के उतरार्द्ध में रेलवे का नेटवर्क बनाया गया
- इससे ब्रिटिश बैंकरों और निवेशकों को अपनी अतिरिक्त पूंजी तथा सम्पति को रेलवे निर्माण में निवेश करने का मौका प्राप्त हुआ।

समाज और संस्कृति पर ब्रिटिश प्रभाव

- भारतीय समाज मे कन्या-भ्रूण हत्या, बाल-विवाह, सती प्रथा, बहु-विवाह तथा कठोर जाति व्यवस्था जैसी कई सामाजिक कुप्रथाएं प्रचलित थीं।
- पुरोहित मंहगे अनुष्ठान, बलि तथा जन्म या मृत्यु के बाद की रीतियां करवाते थे।
- महिलाओं की स्थिति सुधारने के लिए कई कानूनी उपाय शुरू किए गए। 1829 में सती प्रथा पर प्रतिबंध लगा। विधवा पुनर्विवाह को मान्यता दी गई। 1929 में शारदा अधिनियम पारित कर बाल विवाह पर रोक लगायी गयी।

शिक्षा नीति

शिक्षा नीति इस तरह की बनाई गई ताकि भारतीय कम पैसों में कलर्क की नौकरी करने को तैयार हों तथा इससे भारतीयों का एक ऐसा वर्ग बन जाए जो अंग्रेजों के प्रति वफादार हो, ब्रिटिश संस्कृति के प्रंशसक बनें तथा ब्रिटिश वस्तुओं की मांग में वृद्धि हो।

सुधार आंदोलन के प्रभाव

- धार्मिक सुधार आंदोलनों ने भारतीयों के मन में अधिक से अधिक आत्मविश्वास एवं आत्मसम्मान और अपने देश के लिए गर्व की भावना पैदा की।
- आधुनिक शिक्षा की शुरूआत ने भारतीयों को जीवन के प्रति एक वैज्ञानिक और तर्क संगत दृष्टिकोण दिया।

विरोध आंदोलन

- ब्रिटिश शासन के राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों पर प्रतिकूल प्रभाव के परिणाम स्वरूप विदेशियों के खिलाफ भारतीयों में कड़ी प्रतिक्रिया हुई।
- इसके लिए किसानों और जनजातियों द्वारा शोषक शासकों के खिलाफ ब्रिटिश विरोधी आंदोलन की श्रृंखला पूरे देश में फैल गई।

1857 के विद्रोह का प्रभाव

- 1857 के विद्रोह ने पहली बार विभिन्न धार्मिक और जातीय पृष्ठभूमि वाले वर्ग के लोगों को ब्रिटिश शासन के खिलाफ एक कर दिया।
- इस विद्रोह ने ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन का अंत किया तथा भारतीय राज्यों के प्रति ब्रिटिश नीति में परिवर्तन हुए।

स्वयं का मूल्यांकन कीजिए

प्र. अंग्रेजों ने भारत में अंग्रेज़ी शिक्षा लाना महत्वपूर्ण क्यों माना?

प्र. ब्रिटिश भूमि नीतियों ने किसानों तथा भू-स्वामियों को कैसे प्रभावित किया?

प्र. 1857 के विद्रोह ने हिन्दु तथा मुस्लिम समुदायों के रिश्तों को कैसे प्रभावित किया?